ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
आईसीएआर - केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान
जोधपुर, राजस्थान

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 27-09-2024

जोधपुर(राजस्थान) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2024-09-27 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2024-09-28	2024-09-29	2024-09-30	2024-10-01	2024-10-02
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	
अधिकतम तापमान(से.)	38.0	37.0	30.0	31.0	
न्यूनतम तापमान(से.)	29.0	29.0	30.0	31.0	
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	65	63	56	47	
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	33	29	24	14	
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	14	10	17	22	
पवन दिशा (डिग्री)	107	118	241	246	
क्लाउड कवर (ओक्टा)	5	7	2	6	

मौसम सारांश / चेतावनी:

28 और 29 सितम्बर को कहीं कहीं पर हल्की वर्षा की सम्भावना है।

सामान्य सलाहकार:

28 और 29 सितम्बर को वर्षा की सम्भावना को देखते हुए खेत में कटाई की हुई फसल को ढेर बनाकर प्लास्टिक से ढक कर रखें ।

लघु संदेश सलाहकार:

28 और 29 सितम्बर को कहीं कहीं पर हल्की वर्षा की सम्भावना है।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
बाजरा	बाजरा की कटाई की हुई फसल को सुरक्षित स्थान पर भंडारित करें या खेत में ढेर बनाकर पालीथीन से ढक कर रखें ।
मूँग	मूंग की फसल अभी पकाव की ओर अग्रसर है अतः उचित कायिक पकाव पर कटाई कर सुरक्षित स्थान पर भंडारित करे। खेत में कटाई की हुई फसल को ढेर बनाकर प्लास्टिक से ढक कर रखें ।
तिल	तिल की फसल पकाव की ओर अग्रसर है अतः किसान भाई उचित पकाव अवस्था पर फसलों कटाई कर सुरक्षित स्थान पर रखें।

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
ग्वारफली	ग्वार की फसल पकाव अवस्था पर है अतः उचित कायिक पकाव पर कटाई करे। खेत में कटाई की हुई फसल को ढेर बनाकर प्लास्टिक से ढक कर रखें ।
सरसों	किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि सरसों/राया की बुवाई का उपयुक्त समय असिंचित क्षेत्रों में 15 सितम्बर से 15 अक्टूबर है अतः सरसों/राया की बुवाई हेतु खाद, बीज तथा बीज उपचार हेतू रसायन की व्यवस्था करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	बदलते मौसम में पशुओं में खुरपका-मुंहपका रोग के फैलने की संभावना रहती है। रोग के लक्षण दिखाई देने पर पशुचिकित्सक से सम्पर्क करें।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	अगर सम्भव हो तो खरीफ फसलों की कटाई के बाद खाली खेत में 8-10 टन गोबर की खाद प्रति हैक्टेयर में डालें जो मृदा के भौतिक व जैविक गुणों को बडाती है तथा मृदा की जल धारण क्षमता भी बडती है।
सामान्य सलाह	दिन के तापमान को देखते हुए नए लगाए गए फलों के पौधों और सब्जियों के खेतों में मिट्टी में पर्याप्त नमी बनाए रखें।